



न्यूज़बीफ

ओलंपिक चैंपियन सिफान हसन न्यूयार्क मैराथन से हटीं, बीमारी के कारण तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की मैराथन चैंपियन नीदरलैंड की सिफान हसन ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर



पाने के कारण न्यूयार्क सिटी मैराथन से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बीमारी के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हुआ और वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक तैयारी नहीं कर सकीं। हसन ने लिखा, मैं और मजबूत होकर वापसी करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ, लेकिन बीमारी ने मेरे प्रशिक्षण की रफ्तार धीमी कर दी। मैं उस स्थिति में नहीं हूँ, जहां मैं होना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं। हसन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मैराथन का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पांच हजार और दस हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वह नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। हसन पिछले साल न्यूयार्क के पांवों नगर क्षेत्रों से गुजरने वाली मैराथन में दौड़ी थीं और छठे स्थान पर रही थीं। उसके बाद से उन्होंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। हसन को इस साल एड़ी की अकिलीज चोट के कारण लंदन मैराथन से भी नाम वापस लेना पड़ा था। अब बीमारी के कारण न्यूयार्क मैराथन से हटने के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। न्यूयार्क सिटी मैराथन का आयोजन एक नवंबर 2026 को होना निर्धारित है।

डेनमार्क ओपन: त्रीसा-गायत्री की जोड़ी अंतिम-16 में पहुंची, देविका सिहाग बाहर

ओडेंस। भारत की त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और हिसएह पेई शान को सीधे गेमों में हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, महिला एकल में देविका सिहाग को हार का सामना करना पड़ा। एसजेएफ बैंक एरिना में खेले गए मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने 38 मिनट में चीनी ताइपे की जोड़ी को 22-20, 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया की रंचेल अलेसिया रोज और फेबी सेतियानिंगरुम से भिड़ेगी। रतुपर्णा-श्वेतपर्णा की जोड़ी हारी महिला युगल में भारत की एक अन्य जोड़ी को निराशा हाथ लगी। रतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और काओ जिन हार के खिलाफ 14-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। देविका सिहाग भी पहले दौर में बाहर महिला एकल के अंतिम-32 दौर में देविका सिहाग को थाईलैंड की पोर्नपावी चोवुवोंग ने सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। इस हार के साथ देविका की चुनौती समाप्त हो गई।

फीफा ने सदस्य देशों को दुगुनी से भी अधिक राशि देने प्रस्ताव रखा

हेम। विश्व फुटबाल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने साल 2027 से 2030 तक के दौरान अपने सदस्य देशों में फुटबाल के विकास के लिए 6.35 अरब अमेरिकी डालर का एक कोष बनाने का प्रावधान रखा है। इसमे प्रत्येक राष्ट्रीय संघ को 25 मिलियन अमेरिकी डालर (लगभग दो अरब, 37 करोड़ रुपए) की बढी हुई धनराशि मिलेगी। यह राशि वर्तमान में मिलने वाली धनराशि से दुगुनी से भी अधिक है। इससे सदस्य देशों में तेजी से खेल का विकास हो सकेगा। फीफा द्वारा जारी एक दस्तावेज में बताया गया है कि यह वित्तीय पहल हाल ही में संपन्न हुए विश्व कप में मिली जबरदस्त व्यावसायिक सफलता से उत्साहित होकर की जा रही है। इस संस्था का लक्ष्य इस आय का उपयोग अपने 211 सदस्य संघों, परिसंघों और अन्य हितधारकों में फुटबाल विकास में निवेश बढ़ाने के लिए करना है। इससे पहले, प्रत्येक फुटबाल संघ को चार साल की अवधि के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डालर मिलते थे, जिससे यह प्रस्तावित वृद्धि फुटबाल के जमीनी स्तर से लेकर पेशेवर स्तर तक के विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी इस दस्तावेज में आगे कहा गया है कि फीफा ने अपने वित्तीय भंडार से कुल 3.5 अरब अमेरिकी डालर से अधिक की धनराशि सदस्य देशों में वितरित करने का प्रस्ताव रखा है। जो विश्व कप की शानदार सफलता को दिखाता है। यह योजना सदस्य देशों को बुनियादी ढांचे के विकास, युवा कार्यक्रमों, महिला फुटबाल को बढ़ावा देने और कोचिंग व प्रशिक्षण सुविधाओं में सुधार के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराएगी। इस महत्वपूर्ण वित्तीय योजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी स्पष्ट कर दी गई है। इसे दिसंबर 2026 में फीफा परिषद द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसके बाद मई 2027 में आयोजित होने वाली 77वीं फीफा कांग्रेस में इसे अंतिम मंजूरी प्रदान की जाएगी।

नईदुनिया

आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में रबाडा कर सकते हैं वापसी : बावुमा

जोहांसबर्ग
दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा को उम्मीद है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के मुख्य तेज गेंदबाज कगिसो रंबाडा फिट हो जाएंगे। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि रबाडा पहले से ठीक दिख रहे हैं। तीन मैचों की सीरीज का ये मुकाबला 18 से 22 अक्टूबर तक गकेबरहा के सेंट जार्ज्स पार्क में खेला जाएगा। पहला टेस्ट 214 रनों से हारने के बाद अफ्रीकी टीम के लिए मैच में वापसी बेहद अहम जरूरी जा रही है, क्योंकि वे सीरीज में वापसी की हर मुमकिन कोशिश करेंगे।

रबाडा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले टेस्ट

में चोट के कारण वह अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये गये थे। कप्तान बावुमा ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से ऐहतियात के तौर पर लिया गया था, जिससे उन्हें अपनी फिटनेस में सुधार के लिए कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकें।

गौरतलब है कि गकेबरहा में होने वाला यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के लिए बेहद अहम है। पहले टेस्ट में मिली करारी हार ने टीम की रणनीतियों पर सवाल खड़े कर दिए थे पर रबाडा की वापसी से उनकी गेंदबाजी आक्रमण को एक नई धार मिलने की उम्मीद है। रबाडा पिछले एक साल में फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। इसके अलावा, उन्होंने इस साल मई में टी20 लीग

(आईपीएल) फाइनल में भी खेला था, जो उनकी मैच फिटनेस का संकेत देता है। वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में हमेशा प्रभावी रहे हैं, और उन्होंने अतीत में महत्वपूर्ण मौकों पर टीम के लिए पांच विकेट हाल भी लिए हैं, जो उनकी काबिलियत दिखाता है।

यदि रबाडा की वापसी होती है, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि किस खिलाड़ी को बाहर किया जाएगा। पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों – मार्को यानसन और एनरिच नाखिया को मैदान में उतारा था। उनके साथ तेज गेंदबाजी आलराउंडर वियान मुल्डर भी टीम का हिस्सा थे। मुल्डर और यानसन दोनों ही बल्ले से भी उपयोगी योगदान देने की क्षमता रखते हैं, जिससे वे टीम में अपनी

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 में मिली हार के बाद बोले संजू सैमसन-तिलक का विकेट निर्णायक मोड़ रहा



हैदराबाद
भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की 24 रन की हार के लिए तिलक वर्मा के विकेट को निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि पांच विकेट गंवाने के बावजूद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी को साझेदारी ने भारत को लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में शाई होप के शानदार शतक और कीमो पाल के पांच विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया। पांच मैचों की श्रृंखला अब 2-2 से बराबर हो गई है। निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

तिलक के आउट होने से बदला मैच का रुख
248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 12वें ओवर में 130 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने

एलएनसीटी ने जीता आरजीपीवी नोडल महिला बैडमिंटन खिताब



भोपाल। लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी साइंस (एलएनसीटीएस), भोपाल ने आरजीपीवी नोडल बैडमिंटन महिला प्रतियोगिता 2026-27 का खिताब जीत लिया। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी कैंपस, कोलार रोड पर आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों की 50 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

पहले सेमीफाइनल में एलएनसीटी ने सिस्टेक रातोबड़ को 2-0 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में एसआईआरटी ने सिस्टेक गांधीनगर को 2-0 से पराजित किया। फाइनल में एलएनसीटी ने एसआईआरटी को 2-1 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल के सिंगल्स मुकाबले में एसआईआरटी की अनन्या ने एलएनसीटी की दिव्या सिंह को हराया। डबल्स में दर्शा जैन और श्रेया की जोड़ी ने जीत दर्ज की। रिवर्स सिंगल्स में दिशा जैन ने श्रेयांशी को पराजित कर एलएनसीटी की खिताबी जीत सुनिश्चित की। समापन पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

मुम्बई
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने 2027 विश्व कप को लेकर कहा है कि इसमें मेजबान होने के कारण दक्षिण अफ्रीका प्रबल दावेदार रहेगी। इसके साथ ही अश्विन ने भारत की क्षमताओं पर भी अपनी बात की। अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम में असाधारण प्रतिभा और काबिलियत है। उन्होंने विशेष रूप से तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह की भूमिका पर जोर दिया। अश्विन के अनुसार, यदि बुमराह अपनी पूरी लय में होते हैं, तो भारत के पास एक अनुभवी और बेहद प्रभावी तेज गेंदबाजी इकाई होगी जो किसी भी विरोधी टीम के लिए खतरा पैदा कर सकती है। इसके साथ ही, भारत के पास उच्च-स्तरीय स्पिनरों की भरमार है, और अश्विन ने यह भी संकेत दिया कि कुछ मैदानों पर स्पिन गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलेगी, जो भारतीय टीम के लिए एक



रिंकू, सचिन सरजेवार खिलारी, शैलेश कुमार, शरथ मकनहल्लूी शंकरप्पा, सुमित, अजीत सिंह, आनुष वर्मा, धरमवीर, होकाटो होतोशे सेमा, मोहम्मद यासिर, नवदीप, परमोद, प्रणव प्रशांत देसाई, प्रवीण कुमार, राकेश, रवि रोंगाली, सोलैराज धर्मराज, सुजीत मंडलमकुन्नाथ शिवदासन, वरुण सिंह भाटी, विशेष, अमित कुमार, अनुभव चौधरी, बंटी, भाविककुमार दिनेशभाई भरवाड़, प्रदीप कुमार, प्रवीण शर्मा, राहुल, संदीप, संदीप संजय सगरा, सोमन राणा, सुखचैन, परवीन कुमार, अंजना बेन रोहितभाई बुम्बड़िया, दीप्ति जीवनजी, निमिषा चक्कुगलपरबिल सुरेश, प्रीति पाल, सिमरन, सौम्या, जयंत बेहरा, तेजलबेन अमराजी डामोर, राधा वेंकटेश, अमीषा रावत, भाग्यश्री माधवराव जाधव, करमन्याोति, रश्मिता राजू, सुचित्रा परिडा, सुवर्णा राज और रक्वी वलसानैनी।

पैरा बैडमिंटन – 28 खिलाड़ी

महिला खिलाड़ियों में मनीषा रामदास, नित्या श्री सुमति शिवन, अल्फिया जेम्स, थुलासिमिथि मुरुगेसन, मनदीप कौर, नीरज, शांतिषा विश्वनाथन, कनक सिंह जादौन, मानसी गिरिशचंद्र जोशी, पल्लवी कलुवेहल्लूी मंजूनाथ रेड्डी और संजना कुमारी शामिल हैं। पुरुष खिलाड़ियों में नवीन शिवकुमार, नितेश कुमार, कृष्णा नागर, प्रमोद भगत, सुकांत कदम, सूर्यकांत यादव, रूक्मिण रघुपति, सिवराजन सोलैमलाई, अबू हुबैदा, प्रेम कुमार अले, सुदर्शन मुथुसामी सरवनकुमार, उमेश विक्रम कुमार, हरिस मिथिली श्रीकुमार, हार्दिक मक्कड़, अभिजीत सुखजा, राकेश पांडे और सुहास लालिनाकेरे यथिराज शामिल हैं।

एकदिवसीय में सर्वाधिक छक्के : धोनी और रोहित शीर्ष कप्तानों में शामिल

मुम्बई
एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों की बौछार से मैच का रुख बदलने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा का नाम प्रमुखता से शामिल है। इस विशिष्ट सूची में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति ला दी।

मॉर्गन ने बतौर कप्तान सर्वाधिक छक्के लगाकर एक मानदंड स्थापित किया है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने एक नया आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया। 2011 से 2022 के बीच, मॉर्गन ने 126 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की और 115 पारियों में कुल 147 छक्के जड़े। यह रिकार्ड इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) के लिए एकदिवसीय क्रिकेट खेला। अपनी कप्तानी के दौरान, मॉर्गन ने 44.03 की बेहतरीन औसत और 96.00 के स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर उनकी विस्फंसक क्षमता को दर्शाता है।

भारतीय क्रिकेट के दो महान कप्तान, महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा, इस सूची में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, दोनों के नाम 126 छक्के दर्ज हैं। कैप्टन कूल के नाम से मशहूर धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की और 172 पारियों में 126 छक्के लगाए। धोनी न केवल छक्के मारने में माहिर थे, बल्कि वे मैच को अपनी शर्तों पर खत्म करने वाले बेहतरीन फिनिशर भी थे। उन्होंने 48 बार नाबाद लौटते हुए 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके प्रसिद्ध हेलीकाप्टर



अतिरिक्त लाभ होगा।

बल्लेबाजी विभाग में भी, टीम के पास अनुभव की कोई कमी नहीं है, जो बड़े टूर्नामेंटों

में दबाव को संभालने के लिए महत्वपूर्ण होता है और टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने की क्षमता रखता है। हालांकि, भारत

की इन मजबूतियों के बावजूद, अश्विन का मानना ​​है कि 2027 विश्व कप में कुछ टीमों ऐसी होंगी जो भारत को कड़ी टक्कर देंगी, और इनमें से उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को सबसे आगे रखा है।

अश्विन ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें दो-तीन टीमों बहुत अच्छी लग रही हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका उनमें से सबसे अच्छी है। उनकी राय में, दक्षिण अफ्रीका अपने घरेलू विश्व कप के लिए एक बेहद मजबूत दावेदार होगी, जो मेजबान देश को एक स्वाभाविक बहुत दिलाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की क्षमता का विस्तृत विश्लेषण करते हुए कहा कि, खासकर एसए20 जैसी लीग के बाद, वहां के खिलाड़ियों में घरेलू परिस्थितियों की गहरी समझ आ गई है। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी न केवल इन परिस्थितियों में जरूरी कोशल रखते हैं, बल्कि वे इन्हें अच्छी तरह समझते भी हैं। अश्विन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के खेल को

गुणवत्ता और उनकी एकजूटता की भी तारीफ की, यह कहते हुए कि क्रिकेट में वे एक बहुत मजबूत टीम हैं और एक इकाई के रूप में खेलते हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इस मजबूत दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

अश्विन का यह आकलन दर्शाता है कि आगामी विश्व कप में मेजबान देश को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जहां भारतीय टीम अपनी काबिलियत और अनुभव के दम पर एक सशक्त दावेदार होगी, वहीं घरेलू माहौल और परिस्थितियों का हारा ज्ञान दक्षिण अफ्रीका को एक अतिरिक्त और महत्वपूर्ण बढ़त दिलाएगा। 2027 वनडे विश्व कप भले ही अभी दूर हो, लेकिन अश्विन जैसे दिग्गजों की यह प्रारंभिक टिप्पणियां क्रिकेट प्रेमियों के बीच उत्साह जगा रही हैं और भविष्य के मुकाबलों को उत्सुकता बढ़ा रही हैं।